ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

अध्याय - 3

2 marks

जनन स्वास्थ्य

Part – 2

जन्म नियंत्रण व सगर्भता का चिकित्सकीय समापन



Rajika Agrawal

जन्म नियंत्रण विधियाँ

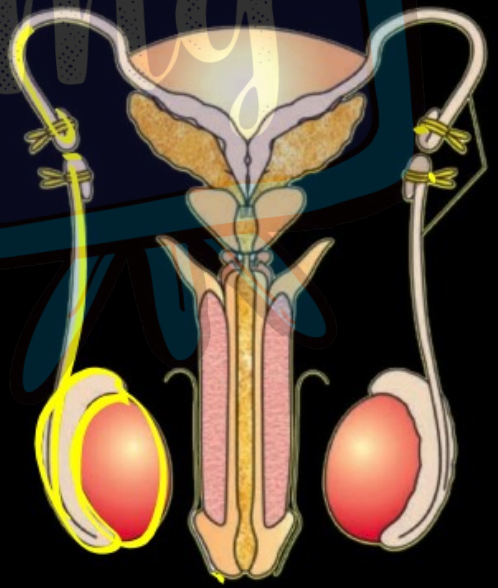


7. शल्यक्रिया

- बंध्यकरण
- गर्भनिरोधक का स्थायी माध्यम।
- युग्मक संचार अवरुद्ध।
- पुरुष में - शुक्रवाहक-उच्छेदन (वासैक्टोमी)
- महिला में - डिम्बवाहिनी नालिका उच्छेदन (ट्यूबैक्टोमी)
- साधारण भाषा मे- नसबंदी

शुक्रवाहक उच्छेदन

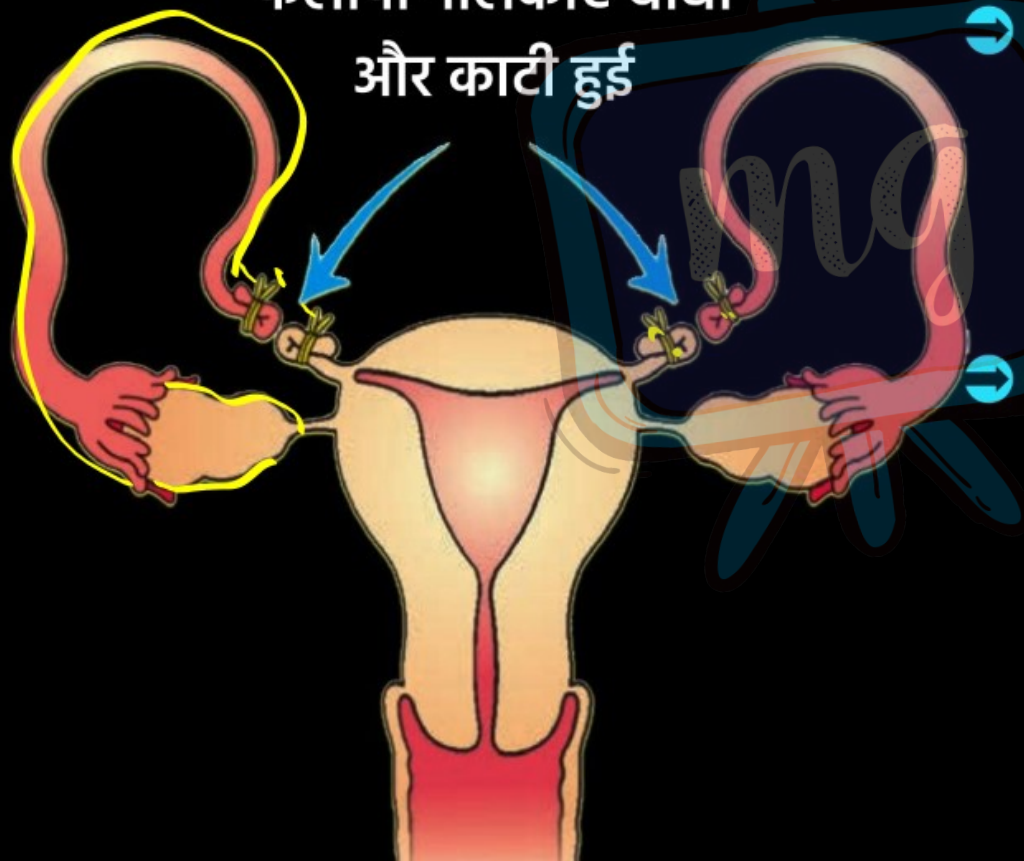
वैक्सेक्टोमी ➲ अण्डकोष (इस्क्रोटम) शुक्रवाहक में चीरा लगाकर छोटा भाग काटकर अलग/बांध



शुक्रवाहक
बाँधा और कटा
हुआ

जन्म नियंत्रण विधियाँ

डिंबवाहिनी उच्छेदन (ट्यूबेक्टोमी)



- उदर में छोटा चीरा लगाकर योनि द्वारा डिंबवाहिनी नली का छोटा भाग अलग/बांध
- गर्भरोधक उपाय की चुनाव व उपयोग शिक्षित चिकित्सा कर्मी / विशेषज्ञ की परामर्श द्वारा।

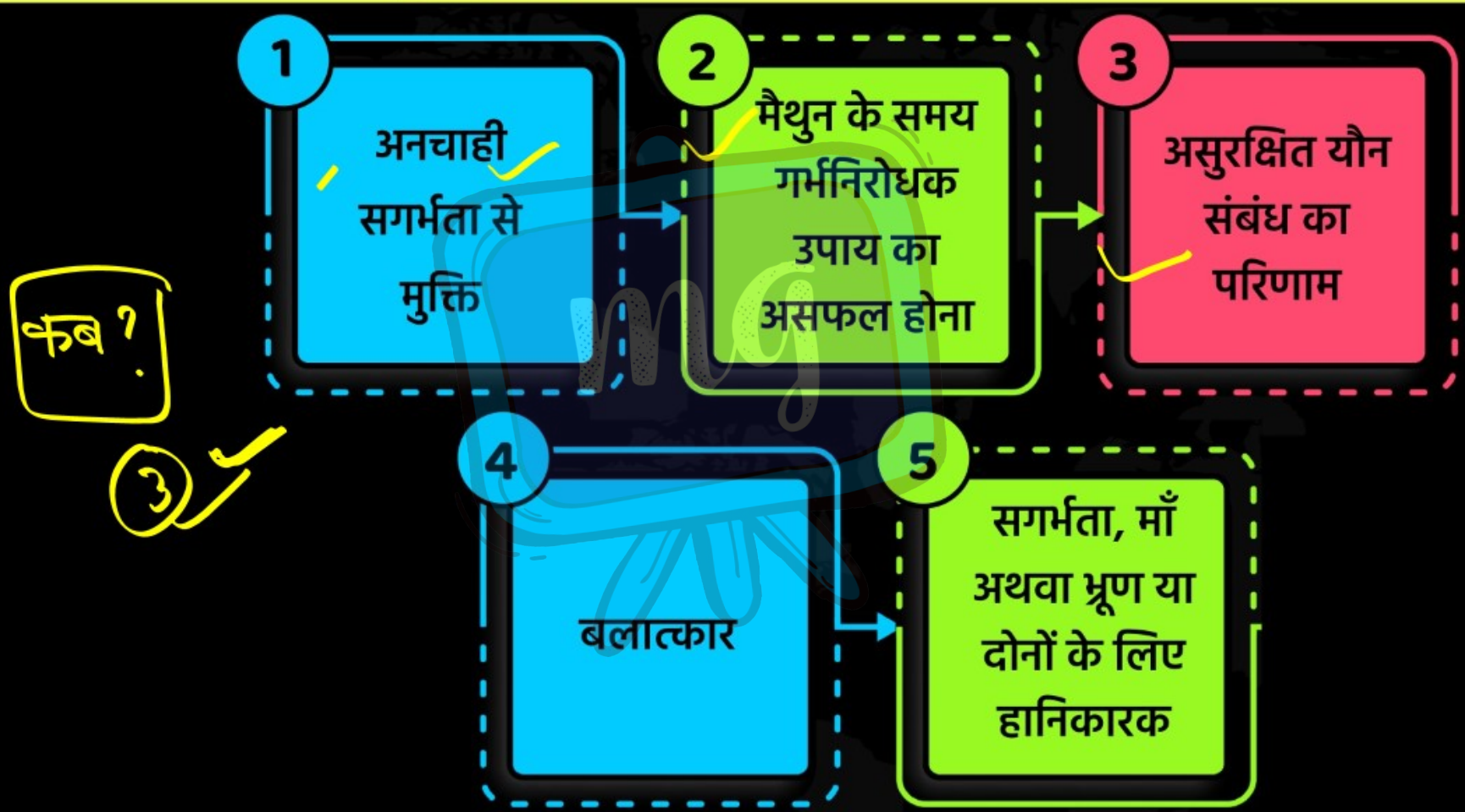
सगर्भता का चिकित्सीय समापन (MTP)





- गर्भावस्था पूर्ण होने से पहले गर्भ समापन-प्रेरित गर्भपात/चिकित्सीय सगर्भता समापन (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रिगनेन्सी, MTP)
- भारत सरकार ने 1971 ई. में चिकित्सीय सगर्भता समापन को कानूनी स्वीकृति।
- अंधाधुंध व गैरकानूनी मादा भ्रूण हत्या व भेदभाव को रोकने के लिए।

चिकित्सीय सगर्भता समापन क्यों?



चिकित्सीय सगर्भता समापन कब ?

MTP

सगर्भता की पहली तिमाही (12 सप्ताह) की अवधि में सुरक्षित।

द्वितीय तिमाही में संकटपूर्ण व घातक

ipca
A dose of life

यौन संचारित रोग (STD)

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Sexually Transmitted dis.

(सुजाक) गोनेरिया	सिफिलिस	हर्पीस
ट्राइकोमोनसता	लैंगिक मस्से	यकृतशोथ-बी
एड्स (HIV)	जननिक परिसर्प (जेनाइटिल हर्पीज)	क्लेमीडियता

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

गोनेरिया ⇒ सुजाक

↓

जीवाणु जनित

नाइसेरिया गोनेरियाई

सिफलिस

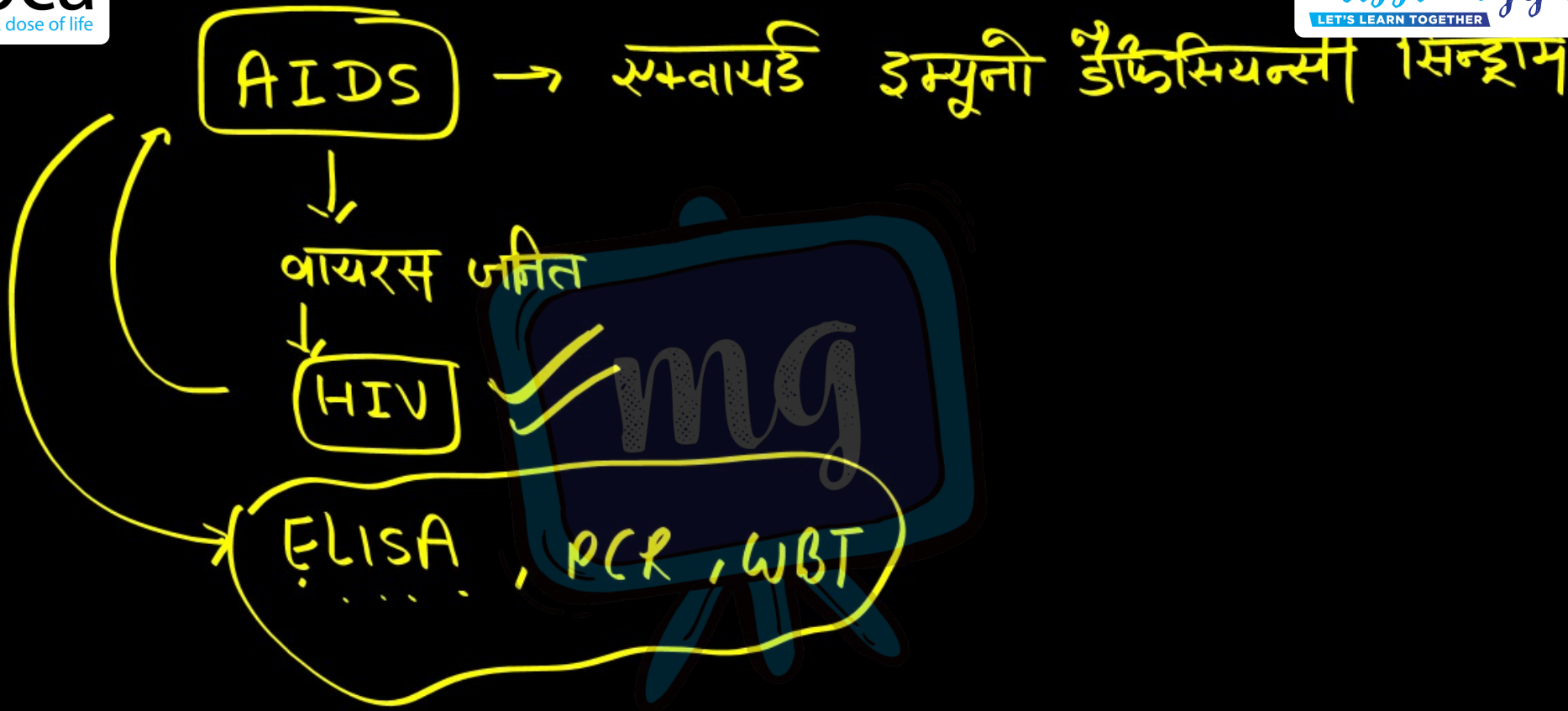
↓

जीवाणु जनित



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



हिपेटाइटिस - B (यकृतशोथ - बी)

↓

वायरस

→ यकृत .

HIV → Human Immuno deficiency Virus)

यकृतशोथ-बी तथा HIV

Genital Herpes

- संक्रमित व्यक्ति के साझे प्रयोग वाली सुइयों (टीकों), शल्य क्रिया के औजारों से
- संदूषित रक्ताधान (ब्लड ट्रांस्फ्यूजन) से
- संक्रमित माता से गर्भस्थ शिशु में।

महत्वपूर्ण बिन्दुः

- यकृतशौथ-बी, जननिक परिसर्प व HIV संक्रमण को छोड़कर सभी यौन रोग उपचार योग्य।

ipca
A dose of life

STD के लक्षण

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जननिक क्षेत्र (गुप्तांग) में खुजली
- तरल स्त्राव
- हल्का दर्द, सूजन
- संक्रमित स्त्री अलक्षणी हो सकती है।
- श्रोणि-शोथज रोग (PID), गर्भपात, मृत शिशु जन्म, अस्थानिक सगर्भता, बंध्यता, जनन मार्ग का कैंसर आदि।

ipca
A dose of life

STD से बचाव के उपाय

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अनजान या बहुत से व्यक्तियों के साथ यौन संबंध न रखना।

मैथुन के समय कंडोम का इस्तेमाल।

आशंका पर प्रारंभिक जाँच के लिए योग्य डॉक्टर से मिलना व रोग का पता लगने पर पूरा इलाज करवाना।